Title : Need to check the pollution caused by the presence of arsenic in river Ganges in Bhagalpur Parliamentary Constituency, Bihar.

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन (भागलपुर): देश की जीवनदायी पावन गंगा नदी मेरे संसदीय क्षेत्र भागलपुर से होकर गुजरती है। इस गंगा नदी के पानी से ही भागलपुर की जनता की प्यास बुझती है, लेकिन हाल ही के कुछ वर्षों से इस गंगा नदी में आर्सेनिक (संखिया, एक विÂाक्त रसायन) बहुत अधिक मात्रा में पाया गया है। मगध विश्वविद्यालय के पर्यावरण एवं जल संसाधन प्रबंधन विभाग द्वारा कराये गये सर्वेक्षण की अगर बात करें तो मेरे संसदीय क्षेत्र भागलपुर में इसका सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ा है। भागलपुर में कुल मिलाकर लगभग 170 ग्राम की 3 लाख जनता की आबादी इस आर्सेनिक युक्त पानी पीने को मजबूर है। इस पानी के कारण कई लोगों की मृत्यु हो चुकी है तथा विभिन्न प्रकार के चर्म रोग से जनता पीड़ित है। भागलपुर में पीने के पानी का एक बहुत बड़ा स्रोत यह गंगा नदी है और जिन जिन प्रखण्डों से यह नदी निकलती है उन सभी जगह आर्सेनिक की मात्रा काफी अधिक पाई गयी है। इस पावन गंगा नदी में आर्सेनिक पाई जाने की बात पहले भी कई बार समाचार पत्रों और अन्य स्रोतों के माध्यम से केन्द्रीय जल संसाधन मंत्रालय के संज्ञान में लायी गयी है, लेकिन इस संबंध में केन्द्र सरकार ने अभी तक कोई ठोस उपाय नहीं किये हैं। मेरा आपके माध्यम से केन्द्रीय जल संसाधन मंत्री से यह आग्रह है कि इस लोक महत्व के गंभीर विÂाय पर केन्द्र सरकार जल्द से जल्द कारगर कदम उठाये ताकि जनता को जल्द राहत मिल सके और गंगा को भी संरक्षण मिल सके।